आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 32 लखनऊ, शनिवार 28 नवम्बर से 06 दिसम्बर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

किसानों को रोक नहीं पाई सरकार, कांग्रेस, आप ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। आखिर दो दिन की भारी जद्दोजहद के बाद किसानों को राष्ट्रीय राजधानी में घुसने दिया गया। केंद्र के बनाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित देश के लगभग सभी राज्यों के किसानों ने आंदोलन का ऐलान किया था और २६ नवंबर को दिल्ली कूच की घोषणा की थी। गुरुवार यानी २६ नवंबर को किसानों ने दिल्ली की ओर कूच किया, लेकिन उनको रास्तों में कई जगह रोका गया। इसके बावजूद किसान शुक्रवार को दिल्ली के दरवाजे पर पहुंच गए और अंततः केंद्र सरकार को उनके सामने झुकना पड़ा। पुलिस ने किसानों को दिल्ली में सीमा से सटे बुराड़ी मैदान में प्रदर्शन की अनुमति मिली। पर जगह को ले कर गतिरोध बना है। किसान संसद के पास या रामलीला मैदान जैसी जगह में प्रदर्शन चाहते है। किसान आंदोलन को रोकने के लिए शुक्रवार को पुलिस ने जबरदस्त तैयारी की थी। सिंघु बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने तीन स्तर में बैरिकेडिंग कर रखी थी। सबसे आगे कंटीले तार थे। फिर ट्रकों को बैरिकेड की तरह लगाया गया। आखिर में वाटर कैनन तैनात थी। इतने इंतजाम भी किसानों को नहीं रोक पाए। पंजाब–हरियाणा सीमा से दिल्ली सीमा तक तीन राज्यों की पुलिस ने आठ बार बड़ी नाकेबंदी कर किसानों को रोकने की कोशिश की, लेकिन किसान हर बार ट्रैक्टर के सहारे आगे बढ़ते गए। अंत में किसानों को दिल्ली के सिंघु बर्डर पर रोक गया, जहां वे बड़ी तादाद में ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे थे। पुलिस ने वहां आंसू गैस छोड़ी। कुछ देर पथराव भी हुआ लेकिन किसान दिल्ली में घुसने के लिए अड़े हुए थे। कुछ किसान वहीं धरने पर बैठ गए और खाना बनाने लगे। इसके बाद सरकार ने किसानों को दिल्ली में घुसने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की इजाजत दी। सरकार की मंजूरी के बाद पुलिस किसानों को बुराड़ी ले गई। ऐसा नहीं है कि किसानों के साथ टकराव सिर्फ दिल्ली सीमा पर चलता रही। उधर हरियाणा में भी कई जगह पुलिस और किसानों के बीच लगातार दूसरे दिन टकराव हुआ। पानीपत में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन बड़ा टकराव हुआ। बड़ी तादाद में

किसान बैरिकेडिंग तोड़ते हुए दिल्ली की तरफ आगे बढ़ गए। पीछे–पीछे पंजाब के किसान भी थे। इनकी हरियाणा पुलिस से झड़प होती रही। पानीपत के सेक्टर–२९ के थाने के पास पुलिस ने जेसीबी मशीन बुला ली और सड़कों को खोद दिया। ऐसा पहली बार हुआ कि किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने सड़कें खोद डालीं। किसानों को शांतिपूर्ण आंदोलन करने से रोके जाने पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र के कृषि कानून गलत हैं और किसान सच की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा– इस लड़ाई को कोई भी सरकार नहीं रोक सकती है। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भी केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे तुरंत किसानों से बात करनी चाहिए। उन्होंने बाद में किसानों को दिल्ली में घुसने देने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया। इस बीच दिल्ली पुलिस ने दिल्ली सरकार से कई स्टेडियम मांगे थे, जिन्हें अस्थायी जेल बनाना था। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे किसानों को उन स्टेडियम में रखने के लिए उसकी मंजूरी मांगी थी। पर दिल्ली सरकार ने इसकी इजाजत नहीं दी। बाद में दिल्ली के गृह मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि अहिंसक तरीके से आंदोलन करना हर भारतीय का अधिकार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्टेडियम को जेल नहीं बनाने देंगे। देश के कई राज्यों के किसान दिल्ली पहुंच गए हैं। वे केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं और सरकार से इस पर बात करना चाहते हैं, लेकिन सरकार ने कहा है कि वह तीन दिसंबर को इस पर बात करेगी। इस बीच दिल्ली की कड़ाके की ठंड़ में किसान एक हफ्ते तक सरकार से बात करने का इंतजार करते रहेंगे। गौरतलब है कि किसान तीनों केंद्रीय कृषि बिलों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों से आंदोलन खत्म करने की अपील करते हुए कहा कि तीन दिसंबर को उनसे बात की जाएगी, पर किसान अपनी बात पर अड़े हैं। तोमर ने किसानों की भलाई का भरोसा देते हुए इस बीच कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि देश की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़े। उन्होंने कहा कि वर्ष २०२२ तक किसानों की आय दोगुनी हो और इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर बढ़ें, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि के विकास के लिए कानूनों से भी सारे रास्ते खोले गए हैं, जिनका लाभ उठाते हुए किसानों की आय दोगुनी ही नहीं, बल्कि इससे भी ज्यादा करने का प्रयास होना चाहिए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईसीएमआर की जलवायुवीय समिति की एक की बैठक में उन्होंने किसानों को २०२२ तक उनकी आय दोगुनी करने का भरोसा दिलाया।

यूपी के किसान कल से सड़कों पर उतरेंगे

लखनऊ। कृषि कानूनों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने शुक्रवार से उत्तर प्रदेश में सड़क पर उतरने का एलान किया है। भाकियू नेता राकेश टिकैत ने मुजफ्फरनगर स्थित आवास पर गुरूवार को आयोजित बैठक में कहा कि कृषि कानूनों के विरोध में किसान कल से राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करेंगे। इस बार किसान आर–पार किये बिना वापस घर पर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी के किसान देश के किसानों के साथ है। किसानों का दुर्भाग्य है कि वह विरोध जताने दिल्ली नहीं जा सकते। अपने हक की लड़ाई लड़ रहे किसानों पर ठंड के मौसम में वाटर केनन का इस्तेमाल दुखद है। भाकियू नेता ने कहा कि देश का किसान दिल्ली नहीं जा सकता तो सरकार इस्लामाबाद भेज दे। अगर प्रधानमंत्री कहते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य रहेगा तो कानून क्यों नहीं बनाते। किसानों को अगर यह कानून मंजूर नहीं है तो सरकार इससे जबरन क्यों थोपना चाहती है। उन्होंने मांग की कि केन्द्र इस कानून को वापस ले और न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानून बनाये।

कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए भारत में बनेगी रूसी वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने में ९५ फीसदी तक प्रभावी मानी जा रही रूस की वैक्सीन स्पूतनिक वी का उत्पादन भारत में होगा और दावा किया गया है कि हर साल भारत में इस वैक्सीन की १० करोड़ डोज बनेगी। इसके लिए रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड, आरडीआईएफ और भारत की दवा कंपनी हेटरो ने करार किया है। इस करार के तहत भारत में हर साल १० करोड़ डोज बनाई जाएगी और अगले साल से इसका उत्पादन शुरू होगा। गौरतलब है कि स्पूतनिक वी को रूस के गमलेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमियोलजी एंड माइक्रोबायोलजी ने बनाया है। आरडीआईएफ विदेश में इसके उत्पादन और प्रचार का काम देख रहा है। इस वैक्सीन के तीसरे चरण परीक्षण की मंजूरी मिल चुकी है। यह परीक्षण बेलारूस, संयुक्त

अरब अमीरात, वेनेजुएला सहित कई देशों में चल रहे हैं। भारत में भी इसके दूसरे और तीसरे फेज का परीक्षण जारी है। खबरों के मुताबिक इस वैक्सीन की १२० करोड़ डोज बनाने के लिए ५० से ज्यादा देश अनुरोध कर चुके हैं। भारतीय कंपनी हेटरो लैब्स लिमिटेड के अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग के निदेश, मुरलीकृष्ण रेड्डी ने करार के बाद बताया कि कोविड–१६ के इलाज में स्पूतनिक वी सबसे कारगर है। उन्होंने कहा– वैक्सीन तैयार करने के लिए आरडीआईएफ के साथ इस सहयोग से हमें बहुत खुशी है। यह पार्टनरशिप कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमारे कमिटमेंट और मेक इन इंडिया अभियान के मकसद को पूरा करने के लिए एक और कदम है। दूसरी ओर, आरडीआईएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीईओ किरिल दिमित्रिएव ने कहा– हमें हेटरो के साथ समझौते का ऐलान करते हुए खुशी हो रही है। इससे भारत में सुरक्षित और सबसे ज्यादा कारगर कोरोना वैक्सीन के उत्पादन का रास्ता साफ होगा।

सम्पादकीय

उत्साहवर्धक खबर

कोरोना वायरस की वैक्सीन बनने के बारे में पिछले दो हफ्तों के बीच कई उत्साहवर्धक खबरें आई हैं। इससे ये उम्मीद बंधी है कि आखिरकार इस संक्रमण पर काबू पा लिया जाएगा। लेकिन ऐसा जब तक हो पाएगा, उसमें अभी देर है। भारत में तो फरवरी के पहले वैक्सीन नहीं आ सकेगी, ये बात आधिकारिक रूप से कह दी गई है। वैक्सीन आना और फिर उसका सब तक पहुंचना एक समय लगने वाली प्रक्रिया है। इस बीच कोरोना महामारी का कहर बना रहेगा। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों की इस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए कि २०२१ की शुरुआत में खासकर यूरोप को महामारी की घातक तीसरी लहर का सामना करना पड़ सकता है। भारत में तो अभी ही दूसरी लहर के संकेत मिलने लगे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की इस चेतावनी भी गौर करना चाहिए कि महामारी की दूसरी लहर सूनामी की तरह हो सकती है। डब्लूएचओ के अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों में जब पहली लहर काबू में आ गई, तब ज्यादातर आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने से चूक गए। अब हमारे सामने दूसरी लहर है। अगर अब भी जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा नहीं किया जाता है, तो अगले साल की शुरुआत में हमारे सामने तीसरी लहर होगी। यह बात सही है कि यूरोप में गर्मियों में हालात बेहतर थे। लेकिन सर्दियां आते ही संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा। ८.४ करोड़ की आबादी वाले जर्मनी में २२ नवंबर को १४ हजार नए मामले दर्ज किए गए। डब्लूएचओ के मुताबिक एक बड़ी समस्या यह रही कि बहुत से नेताओं को तो यह समझ में ही नहीं आया कि वायरस "एक्स्पोनेंशियली" फैलता है, 'अरिथमैटिकली' नहीं। एक्स्पोनेंशियल का मतलब होता है कि संख्या एक सप्ताह में आठ गुना बढ़ सकती है, दो हफ्तों में यह ४० गुना हो सकती है और तीन हफ्तों में ३०० गुना, फिर चार हफ्तों में शायद १००० गुना से भी ज्यादा और इसी तरह यह बढ़ती रह सकती है। अच्छी बात यह है कि फिलहाल एशिया में ये संख्या अपेक्षोंत रूप से कम है। उपाय यही है कि लोग पूरी तरह से वायरस के फैलाव को रोकने में लगें। दूरी बना कर रखें, मास्क पहनें, बीमार व्यक्ति को अलग–थलग रखें, हाथ और सतह साफ करते रहते हैं, और जिन लोगों को सबसे ज्यादा खतरा है उन पर विशेष ध्यान दें। ये सावधानियां अभी हमें लंबे समय तक बरतनी होगी, तभी हम अपनी जान बचा पाएंगे।

संविधान की ताकत से ही भारत दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र का आदर्श बना : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारत के संविधान की ताकत ही है कि यह दुनिया के अन्दर सबसे बड़े लोकतंत्र का आदर्श बना हुआ है। योगी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का पाठन राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के सान्निध्य में वर्चुअल माध्यम से किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश संहिता (द्विभाषी) के दो संस्करणों का विमोचन किया। योगी ने संविधान दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि २६ जनवरी १९५० को भारत का संविधान लागू हुआ था। आज ही के दिन संविधान सभा ने भारतीय

संविधान को अंगीकृत किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की ताकत ही है कि यह दुनिया के अन्दर सबसे बड़े लोकतंत्र का आदर्श बना हुआ है। सम–विषम परिस्थितियों में भी भारतीय संविधान हमें प्रेरणा प्रदान करता है। जाति, मत, सम्प्रदाय, भाषाएं, खान–पान की बहुलता होने के बावजूद भारतीय संविधान पूरे भारत को एक माला में पिरोए हुए है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने में भी संविधान की महती भूमिका है। न्याय, स्वतंत्रता, समता और बन्धुता ये भारत की सबसे बड़ी विशेषता है। इन्हीं मूलभूत बातों को ध्यान में रखकर सभी कार्यक्रम आगे बढ़ाये जा रहे हैं।

कोविड–19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की भी हिदायत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस एवं प्रशासन को कोविड–१९ प्रोटोकॉल के नाम पर किसी भी तरह के उत्पीड़न के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ऐसा होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड–१९ प्रोटोकॉल के नाम पर पुलिस प्रशासन द्वारा उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह कोविड–१९ प्रोटोकल का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक तथा प्रेरित करें। प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री ने यह भी साफ किया है कि शादी समारोहों के आयोजन के लिए पुलिस या प्रशासन से किसी भी तरह की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने शादियों में डीजे तथा बैंड के इस्तेमाल पर रोक लगाने और दुर्व्यवहार करने वाले अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को जारी ताजा दिशानिर्देशों में हॉल या ऐसे ही बंद स्थानों पर शादी तथा अन्य सामाजिक समारोहों में १०० से ज्यादा लोगों की शिरकत पर पाबंदी लगा दी थी। इसके अलावा खुले में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की स्थिति में उस जगह के ४०: हिस्से तक का ही इस्तेमाल किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इन कार्यक्रमों में कोविड–१९ प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की भी हिदायत दी गई है।

हम कई बार अपने सामर्थ्य का पूरा उपयोग नहीं करते : मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रायबरेली रेल कोच कारखाने को सामर्थ्य के सही इस्तेमाल का बेहतर उदाहरण बताते हुए बुधवार को कहा कि वहां वर्षों पहले निवेश हुआ और बड़ी–बड़ी घोषणाएं हुई लेकिन पहला कोच बनकर २०१४ के बाद तैयार हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शिरकत करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ये बातें कहीं। इस अवसर पर उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना १९२० में हुई थी। इस साल लखनऊ विश्वविद्यालय अपने १०० साल पूरे कर रहा है। कार्यक्रम में शामिल छात्रों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि हम कई बार अपने सामर्थ्य का पूरा उपयोग नहीं करते हैं। यही समस्या पहले सरकारी तौर तरीकों में भी थी। जब सामर्थ्य का सही उपयोग ना हो तो क्या नतीजा होता है, इसका एक उदाहरण है रायबरेली का रेल कोच फैक्ट्री। उन्होंने कहा कि रायबरेली की रेल कोच फैक्ट्री में वर्षों पहले निवेश हुआ, संसाधन लगे, मशीनें लगीं, बड़ी–बड़ी घोषणाएं हुई, लेकिन कई वर्षों तक वहां सिर्फ डेंटिंग–पेंटिंग का ही काम होता था। वर्ष २०१४ के बाद हमने सोच बदली, तौर तरीका बदला। परिणाम ये हुआ कि कुछ महीने में ही यहां से पहला कोच तैयार हुआ और आज यहां हर साल सैकड़ों कोच तैयार हो रहे हैं। सामर्थ्य के सही इस्तेमाल का ये एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े रेल कोच फैक्ट्री की जब भी चर्चा होगी तो वह रायबरेली रेल कोच फैक्ट्री की होगी। ज्ञात हो कि रायबरेली संसदीय क्षेत्र पर लंबे समय से गांधी–नेहरू परिवार का कब्जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी यहां का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी अभी वहां से सांसद हैं। प्रधानमंत्री ने कुछ साल पहले तक यूरिया की कमी होने की बात करते हुए कहा कि आज देश में यूरिया कारखाने पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और इसकी कालाबाजारी पर भी पूरी तरह रोक लग गई है। उन्होंने कहा कि यूरिया किसानों के नाम पर निकलता था और पहुंचाया कहीं और जाता था। इसका बहुत बड़ा खामियाजा देश के किसानों को उठाना पड़ता था। यूरिया की शत प्रतिशत नीम कोटिंग करने की उस समय इच्छाशक्ति नहीं थी। आज शत–प्रतिशत हो रही है।

मौलाना कल्बे सादिक सुपुर्द–ए–खाक

लखनऊ। शिया धर्म गुरू और अल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष मौलाना डा. कल्बे सादिक के पार्थिव शरीर को बुधवार को नम आंखों के बीच सुपुर्द–ए–खाक कर दिया गया। चौक स्थित यूनिटी कॉलेज में मौलाना महदी महदवीपुर ने नमाज–ए–जनाजा पढ़ाई जिसमें सभी धर्मों के धर्म गुरुओं ने हिस्सा लिया। नमाज–ए–जनाजा के साथ उनका पार्थिव शरीर इमामबाड़ा गुफरानमाब में दफनाया गया। इस मौके पर हजारों लोगों ने नम आंखों से शिया धर्मगुरू को अंतिम विदाई दी। इससे पहले यूनिटी कॉलेज में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने पुष्पाजंलि अर्पित की और परिजनो को ढांढस बंधाया। मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्या गिरि, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, सिराज मेंहदी, बुक्कल नवाब, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली समेत कई हस्तियों ने डा. सादिक के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किये और पुष्पाजंलि अर्पित की। दोपहर बाद मौलाना का पार्थिव शरीर करीब चार घंटे में इमामबाड़ा गुफरानमाब पहुंचा। जहां ईरान कल्चर हाउस के मौलाना महदी महदवीपुर व शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जवाद ने मजलिस को खिताब किया। यूनिटी कॉलेज से चौक के इमामबाड़ा गुफरानमाब में आए पार्थिव शरीर के दर्शन के लिए सड़क के दोनो ओर कतारबद्ध लोग अंतिम दर्शन के लिये खड़े थे। जनाजे में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। हर कोई सादगी पसंद और नेकदिल मौलाना के जनाजे को कंधा देने के लिये उतावला दिखायी दिया। छोटा इमामबाड़े में कुछ देर के लिए उनका पार्थिव शरीर रखा रहा। गौरतलब है कि ८१ वर्षीय शिया धर्म गुरू डा. कल्बे सादिक का मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अनेक राजनीतिक हस्तियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

लखनऊ निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। केन्द्र और राज्य सरकारों की निजीकरण की नीति के विरोध में देश के १५ लाख बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों ने गुरूवार को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि केन्द्र और कुछ राज्य सरकारें बिजली वितरण का निजीकरण करने पर आमादा हैं। जिसके विरोध में देश भर के बिजली कर्मियों ने आज प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। देश भर में लाखों बिजली कर्मियों ने विरोध सभाएं व् प्रदर्शन कर निजीकरण के उद्देश्य से लाये गए इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल २०२० और बिजली वितरण के निजीकरण के स्टैण्डर्ड बिडिंग डॉकुमेंट को निरस्त करने की मॉग की और चेतावनी दी कि यदि निजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह वापस न की गई तो राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। उन्होंने बताया कि बिजली कर्मियों ने उपभोक्ताओं खासकर किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं से निजीकरण विरोधी आन्दोलन में सहयोग करने की अपील की और कहा कि निजीकरण के बाद सबसे अधिक नुक्सान आम उपभोक्ताओं का ही होने जा रहा है।

छह महीनों तक सरकारी कर्मचारी नहीं कर पाएंगे हड़ताल सरकार ने लिया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अगले छह महीने के लिये सरकारी कर्मचारियों के हड़ताल करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने बुधवार को आदेश जारी किया है जिसके अनुसार प्रदेश में अगले छह महीने के लिए आवश्घ्यक सेवा अनुरक्षण कानून (एस्मा) लागू किया गया है। यानी अगले छह महीने तक प्रदेश में किसी भी तरह की हड़ताल गैर कानूनी होगी। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि एक्ट के लागू होने के बाद आवश्यक सेवाओं में लगे सरकारी और निगम के कर्मचारी अगले छह महीने तक किसी तरह की हड़ताल पर नहीं जा सकेंगे। अगर कोई भी कर्मचारी हड़ताल करता है, तो उस पर सख्त एक्शन लिया जा सकेगा। गौरतलब है कि इस एक्ट के मुताबिक, राज्य या केंद्र सरकारें अपनी जरूरत के हिसाब से इसे लागू कर सकती हैं। एक्ट को ऐसे वक्त में लागू किया जाता है जब राज्य में कर्मचारियों की अधिकतर जरूरत हो। इससे पहले मार्च में भी यूपी सरकार की ओर से कोरोना काल में ऐसा ही फैसला लिया गया था।

आरक्षण को लेकर कर्मियों को जागरूक करेंगे आरक्षण समर्थक

लखनऊ। संविधान दिवस की ७१वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरूवार को पूरे प्रदेश में आरक्षण समर्थकों ने कोरोना काल में सर्तकता बरतते हुए बाबा साहब डा. भीमराव

अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एक दूसरे को संविधान दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर आरक्षण समर्थकों ने कहा कि बाबा साहब द्वारा बनायी गयी संवैधानिक व्यवस्था के तहत प्रदत्त प्रदेश के आठ लाख आरक्षण समर्थक कार्मिकों का संविधान प्रदत्त पदोन्नति में आरक्षण का बिल राज्यसभा से पारित होकर पिछले आठ वर्षों से लोकसभा में लम्बित है, जिससे पूरे देश में दलित कार्मिकों का संवैधानिक हक केन्द्र सरकार दबाये बैठी है। जिसके लिये कांग्रेस के साथ–साथ केन्द्र की मोदी सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। पूरे देश के आरक्षण समर्थक कोरोना काल में चाहकर भी कोई बड़ा आन्दोलन नहीं कर सकते, लेकिन आज संविधान दिवस के अवसर पर आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने यह ऐलान किया है कि सभी कार्मिक प्रतिदिन सोशल मीडिया के माध्यम से अपने अधिकार को दबाने वाली सरकार का पर्दाफाश करें और सभी आरक्षित सीट से जीतकर आने वाले विधायकों व सांसदों को अपना संवैधानिक विरोध ा सोशल मीडिया, ईमेल, व्हाट्सएप के जरिए दर्ज कराते हुए उनसे लम्बित बिल को पास कराने की गुजारिश करें। आरक्षण समर्थक दिसम्बर माह से वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन लगातार करके अपने कार्मिकों को जागरूक करेंगे। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति,उ. प्र के संयोजकों अवधेश कुमार वर्मा, एसपी सिंह, श्यामलाल, महेन्द्र सिंह, अन्जनी कुमार, अजय कुमार, हरि प्रसाद कौशल, अशोक सोनकर व सुनील कनौजिया ने कहा आज संविधान दिवस के अवसर पर हम सभी आरक्षण समर्थक अपने संवैधानिक हक को प्राप्त करने का संकल्प लेते हुए केन्द्र की मोदी सरकार से यह मांग करते हैं कि सरकार अविलम्ब पदोन्नति में आरक्षण का बिल पारित कराकर १५ नवम्बर १९९७ से रिवर्ट प्रदेश के लगभग दो लाख दलित कार्मिकों को उनका संवैधानिक हक वापस दिलाये। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि जब कांग्रेस सरकार ने राज्य सभा से पदोन्नति का बिल पारित किया उस समय सपा को छोड़कर सभी पार्टियां पदोन्नति बिल पारित कराने की मांग कर रही थीं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी भी पदोन्नति बिल के समर्थन में थी। आज केन्द्र में लम्बे समय से भाजपा की सरकार है लेकिन दलित कार्मिकों के अधिकार की उनको कोई चिन्ता नहीं है और दुर्भाग्य की बात यह है कि आरक्षित सीट से जीतकर आने वाले देश के लगभग १३१ सांसद भी चुपचाप तमाशा देख रहे हैं।

इंडोनेशिया में कोर्स का हिस्सा बनेगी 'भाजपा की गौरव गाथा'

लखनऊ। विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के अतीत, वर्तमान और भविष्य को दस्तावेजों के रंग रेखांकित करती शांतनु गुप्ता की पुस्तक 'भारतीय जनता पार्टी की गौरव गाथा' लोकप्रियता और बिक्री के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। किताब में अतीत को खंगाला गया है। राष्ट्रवाद से प्रेरित इस किताब में १८५७ के स्वाधीनता संग्राम से लेकर अब तक की परिस्थितियों का आकलन व लेखा–जोखा सारगर्भित ढंग प्रस्तुत किया गया है। लेखक शांतनु ने कहा कि पिछले दिनों इस्लामिक यूनिवर्सिटी अफ इंडोनेशिया के फैकेल्टी मेम्बर प्रो. हादजा मिन फदली भारत भ्रमण पर आये और किताब के अंग्रेजी संस्करण को अपने साथ लेकर गये।

यूपी में कोरोना से जंग जारी, पिछले 24 घंटो में 30 और लोगों ने जिंदगी की बाजी हारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटों के दौरान कोविड–१९ पीड़ित ३० और लोगों की मौत हो गई तथा संक्रमण के २,०९४ नए मामले सामने आए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में कोविड–१९ से ३० और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही प्रदेश में इस संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर ७,६७४ हो गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के २,०६४ नए मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में इस वक्त २५,४२२ कोविड–१९ मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें से १२,४४३ लोग गृह पृथकवास में हैं। प्रदेश में अब तक ५,३३,४४६ लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। प्रसाद ने बताया कि बुधवार को राज्य में १,६५,००० से ज्यादा नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक एक करोड़ ८६ लाख से ज्यादा नमूने जांचे जा चुके हैं।

धान खरीद कार्य में किसानों के हितों की अनदेखी करने वालों की जवाबदेही तयः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धान खरीद कार्य में किसानों के हितों की अनदेखी करने वालों की जवाबदेही तय करते हुए ऐसे लोगों की खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि ंषकों के व्यापक हित को देखते हुए खरीद प्रक्रिया में और तेजी लाने की जरूरत है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में धान खरीद व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार 'मूल्य समर्थन योजना' के तहत किसानों से धान की सीधी खरीद कर रही है। प्रदेश सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है, लिहाजा धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हितों की अनदेखी करने वालों की जवाबदेही तय करते हुए ऐसे लोगों की खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की अपेक्षा अब तक डेढ़ गुना ज्यादा धान खरीदा जा चुका है, इसके बावजूद किसानों के व्यापक हितों को देखते हुए खरीद प्रक्रिया में और तेजी लाने की आवश्यकता है। समर्थन मूल्य के तहत धान

खरीद के लिए ४२०० केन्द्र स्थापित किये गये हैं अगर जरूरत हो तो और क्रय केन्द्र भी खोले जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि धान क्रय करने वाली सभी संस्थाएं पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करें, धान खरीद केन्द्रों पर मनमानी नहीं होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाए कि धान क्रय केन्द्र समय से संचालित हों। उन्होंने कहा कि किसानों को ७२ घण्टे के अन्दर उनकी उपज का भुगतान हर हाल में कर दिया जाए।

बाईपास के बजाय अब गांवों शहर होकर चलेंगी रोडवेज बसें

लखनऊ। राज्य सड़क परिवहन निगम के तहत प्रदेश में चलने वाली रोडवेज बसें अब बाईपास के बजाय गांवों व शहर होकर चलेंगी। अभी तक रोडवेज कंडक्टर ऐसे यात्रियों को जबरन बाईपास पर उतारकर आगे गंतब्य को चल देंते थे। लेकिन यात्रियों की लगातार शिकायत मिलने पर रोडवेज प्रशासन ने इस पर गंभीरता लेते हुये रोडवेज बसों को गांवों व शहर के अंदर से चलाने का निर्देश दिये है। इतना ही नहीं सभी बस स्टेशन इंचार्ज को रोजाना दस बसों का ब्यौरा अपने अधिकारी को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है।नये निर्देश के बाद अब कोई भी रोडवेज परिचालक परिवहन यात्रियों को गुमराह नहीं कर सकेगा । रोडवेज के एमडी धीरज साहू ने रोडवेज बसों के बाईपास सेवा को बंद करके शहर के भीतर से बसें चलाने का निणर्य लिया है। यात्रियों को बसों की सेवाएं शहर, गांव व कस्बों तक देने के लिए बाईपास सेवा बंद की जा रही हैं। इस संबंध में परिवहन निगम के एमडी की ओर से यात्री हित में लिए गए निर्णय का पालन हो रहा है या नहीं। इसके लिए बस कंडक्टरों के ड्यूटी स्लिप पर स्टेशन इंचार्ज रोजाना दस बसों का ब्यौरा अपने अधिकारी का उपलब्ध कराएंगे। जिसकी समीक्षा रोजाना मुख्यालय के अफसर करेंगे। ठंडक को देखते हुए बाईपास से बसें नहीं गुजरेंगी। इससे शहर के यात्रियों को बसों से २४ घंटे सेवाएं मिलेंगी। इससे निगम राजस्व में जहां वृद्धि होगी। वहीं निजी वाहन मालिकों को बसों से जोड़ने का मौका मिलेगा। दूसरी ओर मंशा यह भी है कि ठंडक में कोहरे के बीच कम से कम निजी वाहन सड़क पर चलें। जबरन बाईपास पर उतारे तो यहां करें शिकायत बस चालक बाईपास से बस ले जा रहे हो या जबरन बाईपास पर उतार रहे हो। ऐसे में यात्री परिवहन निगम के हेल्पलाइन नंबर १८००१८०२८७७ अथवा ९४१५०४९६०६ पर बस नंबर सहित अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

रोडवेज में तीन वर्षो से रुके प्रमोशन को मिली मंजूरी

लखनऊ। रोडवेज कर्मियों और अधिकारियों के लिए अच्छी खबर है। तीन वर्षो से रूका प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया। परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक धीरज साहू ने १७ अक्तूबर २०१७ से रूकी हुई एसीपी यानी एश्योर कैरियर प्रमोशन का लाभ सभी कर्मियों को देने की मंजूरी दे दी है। एमडी की ओर से जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि १७ अक्तूबर २०१७ के पहले के मंजूर हुए प्रकरणों में एरियर का भुगतान किया जाएगा। इसके लिए प्रथम चरण में सेवानिवृत और मृतक आश्रितों को ५० फीसदी भुगतान माह दिसम्बर २०२० में देने के निर्देश दिए है। बाकी अन्य सभी एरियर भुगतान भी निगम की वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगामी माहों में किए जाते रहेंगे।

सीबीआई ने हाथरस मामले की जांच में १० दिसम्बर तक पूरी होने की सम्भावना जताई

लखनऊ। बुधवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष हाथरस मामले में हुई सुनवाई में सीबीआई ने अब तक हुई जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश की। वहीं न्यायालय द्वारा पूछे जाने पर सीबीआई की ओर से १० दिसम्बर तक जांच पूरी होने की उम्मीद जताई गई। वहीं राज्य सरकार ने डीएम हाथरस का मजबूती के साथ बचाव करते हुए उन्हें न हटाए जाने पर सफाई पेश की। हालांकि न्यायालय ने इससे असंतुष्टि भी जताई है। न्यायालय ने मंगलवार की सुनवाई के पश्चात अपना आदेश सुरक्षित कर लिया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए १६ दिसम्बर की तिथि तय की है। अगली सुनवाई पर अंतिम संस्कार के मुद्दे पर प्रस्तावित गाइडलाइन पर और विचार–विमर्श करने का आदेश भी दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति राजन रय की खंडपीठ ने हाथरस मामले में स्वतः संज्ञान

द्वारा 'गरिमापूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार के अधिकार' टाइटिल से दर्ज जनहित याचिका पर पारित किया। न्यायालय के पूर्व के आदेश के अनुपालन में सीबीआई के अधिवक्ता अनुराग सिंह ने अब तक हुई जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश की। न्यायालय ने उनसे पूछा कि जांच कब तक पूरी होने की उम्मीद की जा सकती है। इस पर अधिवक्ता का कहना था कि १० दिसम्बर तक जांच पूरी होने की सम्भावना है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मामले में कई फरेंसिक रिपोर्ट आनी हैं, जिनके इंतजार की वजह से समय लग रहा है। राज्य सरकार की ओर से भी एक हलफनामा दाखिल किया गया। जिलाधिकारी हाथरस प्रवीण कुमार के बावत राज्य सरकार का कहना है कि पूरे मामले में जिलाधिकारी का कार्य व निर्णय सद्भावनापूर्ण रहा है। कुछ राजनीति दल उन्हें वहां से हटाना चाहते हैं लेकिन सरकार यदि उन्हें हटाती है तो सद्भावनापूर्ण तरीके से काम करने वाले सरकारी अधिकारी इससे हतोत्साहित होंगे। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि मृतका के परिवार ने भी जिलाधिकारी के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की है और न ही मामले की जांच में जिलाधिकारी द्वारा किसी प्रकार के हस्तक्षेप की कोई बात सामने आई है। हालांकि कोर्ट ने सरकार के जवाब से असंतुष्टि जाहिर की है। मृतका के परिवार की अधिवक्ता सीमा कुशवाहा ने सुनवाई के दौरान परिवार के लिए दिल्ली में घर दिये जाने का निर्देश सरकार को देने की मांग की। इस पर न्यायालय ने कहा कि वर्तमान मामले पर संज्ञान सीमित उद्देश्य के लिए लिया गया है। न्यायालय ने कहा कि यह आरोप–प्रत्यारोप का मुकदमा नहीं है। वहीं हाथरस जैसे मामले की पुनरावृत्ति होने की दशा में अंतिम संस्कार के लिए प्रस्तावित गाइडलाइन पर और विचार–विमर्श करने का निर्देश भी न्यायालय ने राज्य सरकार को दिया है।

किसानों को रोकने के लिए सीमाए सील, मुंबई–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

नई दिल्ली। विवादित कृषि कानूनों के विरोध में २६ और २७ नवंबर को दिल्ली आ रहे किसानों को रोकने के लिए राज्य सरकारों ने जबरदस्त नाकेबंदी की है। पुलिस ने अलग–अलग जगहों पर कडकडाती ठंड में किसानों पर पानी की बौछार की, आंसू गैस के गोले छोड़े और कई किसानों को हिरासत में लिया है। हरियाणा में सरकार ने बैरिकेड लगाने से ले कर सड़को पर गड्ढे तक खोदने की खबर है। वही दिल्ली में सिंघू सीमा पर पुलिस ने किसानों द्वारा संचालित ट्रैक्टरों की आवाजाही रोकने के लिए रेत से भरे पांच ट्रकों को खड़ा किया है। ड्रोन भी तैनात किए गए हैं। हरियाणा ने पंजाब से लगी अपनी सीमा सील कर दी है। वहीं, दिल्ली में सभी तरफ की सीमाओं पर किलेबंदी है। सरकार की सख्ती के बावजूद किसान दिल्ली पहुंचने के लिए सीमाओं पर डटे हुए है। सर्दी और बारिश के मौसम में हजारों किसानों ने अस्थायी तंबुओं और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में पिछली रात गुजारी।मालूम हो कि किसान

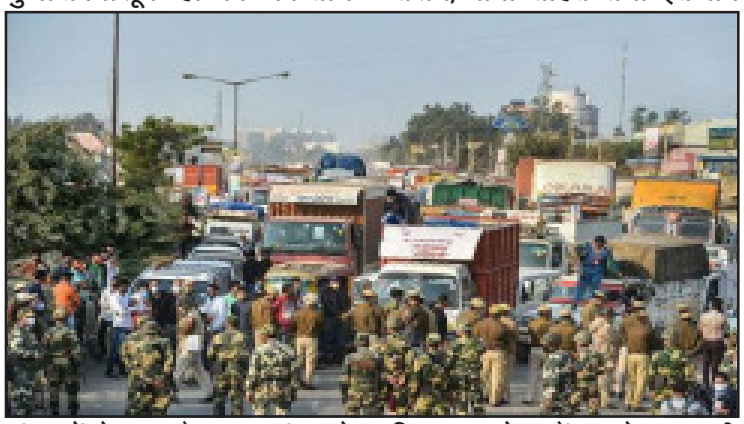

संगठनों ने २६ और २७ नवंबर के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 'दिल्ली चलो मार्च' नाम से विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है. उनकी मांग है कि सरकार हाल ही में लाए गए विवादित कृषि कानूनों को वापस ले और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी अधिकार बनाया जाए। पंजाब के किसान ३० किसान संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। किसानों के ट्रैक्टर पर राशन, पानी सहित सभी इंतजाम दिख रहे हैं। वे अपनी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों पर हरियाणा की सीमाओं के पास एकत्रित होना शुरू हो गए हैं। इस बीच सर्दी और बारिश के मौसम में हजारों किसानों ने अस्थायी तंबूओं और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में रात गुजारी। किसान संगठनों ने कहा है कि उन्हें राष्ट्रीय राजधानी जाते हुए, उन्हें जहां कहीं भी रोका गया, वे वहीं धरने पर बैठ जाएंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने २६ और २७ नवंबर को केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन करने के विभिन्न किसान संगठनों के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया थ। पुलिस ने मंगलवार को कहा था कि अगर वे कोविड–१६ महामारी के बीच किसी भी सभा के लिए शहर में आते हैं तो विरोध करने वाले किसानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.किसानों के मार्च को देखते हुए दिल्ली मेट्रो ट्रेनें बृहस्पतिवार को दोपहर दो बजे तक पड़ोसी शहरों से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं को पार नहीं करेंगी। केन्द्रीय कषि कानूनों के विरोध में में भाग लेने जा रहीं सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को बृहस्पतिवार तड़के उत्तर प्रदेश की सीमा में जाने से रोक दिया गया। पाटकर व उनके समर्थक मुंबई–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठ गए जिससे आवागमन बंद हो गया। धौलपुर जिला कलेक्टर आर के जायसवाल ने 'भाषा' को बताया कि महाराष्ट्र से दिल्ली जा रहीं सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर अपने ४०० समर्थकों के साथ अभी भी राजस्थान की सीमा पर बरैठा चौकी के पास आगरा–मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठी हैं और राजमार्ग पर यातायात बंद है। उन्हें उत्तर प्रदेश में जाने की स्वीकृति नहीं दी गई है। तड़के जैसे ही पाटकर का काफिला उत्तर प्रदेश सीमा बरैठा पंहुचा तो आगरा के जिला प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। सीमा पर रोके जाने से मेधा पाटकर के समर्थक नाराज होकर आगरा–मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठ गए जिससे वहां जाम लग गया।

सत्ता में आने पर किसान विरोधी तीनों कानून फाड़ देंगे : सोनिया–राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा है कि केंद्र की सत्ता में आने पर हाल में

पारित किसान विरोधी तीनों कानूनों को फाड़ कर रद्दी की टोकरी में डाल देंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से कहा कि गांधी और राहुल गांधी ने वादा किया है कि कांग्रेस जब केंद्र की सत्ता सम्भालेगी तो वह सबसे पहले किसान विरोधी इन तीनो कानूनों को खत्म करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से इन तीनों कानूनों का विरोध करती रही है। इन कानूनों का विरोध करने के कारण संसद में उसके सांसदों को निलंबित तक होना पड़ा है। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं वहां किसानों को इन कानूनों के कारण नुकसान नहीं हो इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए अलग कानून बनाया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि किसान किसी दल विशेष का नहीं बल्कि सभी का होता है और वह अपनी मेहनत से सभी के पेट की भूख मिटाने का काम करता है इसलिए किसान की बात सुनी जानी चाहिए।

३१ करोड़ भारतीयों को वैक्सीन लगेगी!

नई दिल्ली। अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के हिसाब से चला तो भारत में पहले चरण में ३१ करोड़ भारतीयों को कोरोना वायरस की वैक्सीन लगाई जाएगी। इसकी शुरुआत अगले साल मार्च से होगी और मार्च से मई के बीच तीन महीने में ३१ करोड़ प्राथमिकता वाले लोगों को वैक्सीन की डोज दे दी जाएगी। इसमें फ्रंटलाइन वर्कर्स जैसे डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस कर्मचारी, ५० साल से ज्यादा उम्र के प्राथमिकता वाले समूह के लोग और ज्यादा जोखिम वाले समूह के युवा भी शामिल होंगे। सरकार ने यह भी तय किया है कि ब्रिटिश–स्वीडिश कंपनी ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन के दो डोज के परीक्षण से जो शुरुआती नतीजे आए हैं, उन पर ही विचार किया जाएगा। यानी भारत में सीरम इंस्टीच्यूट अफ इंडिया में बन रहे ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगाए

जाने की संभावना है। सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के विजयराघवन के मुताबिक डॉ. वीके पॉल के नेतृत्व वाली नेशनल वैक्सीन कमेटी ने ब्लूप्रिंट तैयार किया है कि किसे सबसे पहले वैक्सीन लगाई जाएगी। विजयराघवन ने विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय उद्योग परिसंघ, सीआईआई की एक मीटिंग में बताया कि ३१ करोड़ लोगों की पहचान कर ली गई है, जिन्हें मार्च से मई के बीच में वैक्सीन लगाई जाएगी। उन्होंने कहा– हमारे देश में एक करोड़ हेल्थ वर्कर्स, राज्यों और केंद्र सरकार की पुलिस, आर्म्ड फोर्सेस, होमगार्ड्स, सिविल डिफेंस के दो करोड़, ५० वर्ष से ज्यादा उम्र के प्राथमिकता समूह के २६ करोड़ नागरिक और ५० वर्ष से कम उम्र के उच्च जोखिम वाले समूह के एक करोड़ नागरिकों को सबसे पहले वैक्सीन लगाई जाएगी। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन कह चुके हैं कि २०२१ की पहली तिमाही से वैक्सीन लगाना शुरू होगा।

प्रधानमंत्री वैक्सीन निर्माण देखने जाएंगे

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अभी तक कोरोना वैक्सीन की खरीद के बारे में कोई करार नहीं किया है, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को वैक्सीन निर्माण देखने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देश के तीन अलग अलग शहरों में वैक्सीन उत्पादन के काम का मुआयना करेंगे। इस दौरान वे अपने गृह प्रदेश गुजरात के अहमदाबाद भी जाएंगे। उसके अलावा उनका पुणे के सीरम इंस्टीच्यूट जाने का कार्यक्रम है। वे हैदराबाद की वैक्सीन विकास केंद्र का भी दौरा करेंगे। बताया गया है कि प्रधानमंत्री सबसे पहले अहमदाबाद में जाइडस कैडिला के केंद्र का दौरा करेंगे। इसके के बाद वे पुणे के सीरम इंस्टीच्यूट अफ इंडिया का दौरा करेंगे। गौरतलब है कि सीरम इंस्टीच्यूट ने ब्रिटिश–स्वीडिश कंपनी अक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका के साथ कोविड–१६ की वैक्सीन बनाने का करार किया है। पुणे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैदराबाद में भारत बायोटेक के केंद्र भी जाने के आसार हैं। भारत बायोटेक स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन के विकास पर काम कर रही है, जिसके तीसरे चरण का परीक्षण शुरू हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में कोविड–१६ की वैक्सीन का इंतजार हो रहा है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने देश के आठ मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की थी, जिसमें वैक्सीन के बारे में उन्होंने कहा था कि वैक्सीन कब तक आएगी, यह वैज्ञानिक ही बता सकते हैं। गौरतलब है कि भारत ने टीकाकरण की योजना पर काम तो शुरू कर दिया है पर अभी तक पता नहीं है कि वह किसकी वैक्सीन, किस मात्रा में और किस दर पर खरीद रही है।

हैदराबाद में 'भारत बायोटेक' का दौरा करेंगे मोदी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में कोविड–१६ वैक्सीन विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए अपने तीन शहरों के दौरे के दौरान कल यहां वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक के केंद्र का दौरा करेंगे। मोदी शाम चार बजे के आसपास हकीमपेट वायुसेना अड्डा पहुंचेंगे। यहां से वह सीधे जीनोम घाटी स्थित भारत बायोटेक केंद्र पहुंचेंगे, जहां भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से कोरोनावायरस के लिए विकसित की जा रही भारत की पहली स्वदेशी वैक्सीन कोवाक्सिन पर काम चल रहा है। वैक्सीन के विकास की प्रक्रिया को समझने और भारत बायोटेक द्वारा बड़ी संख्या में खुराक के निर्माण को लेकर की जा रही तैयारियों का मुआयना करने के लिए मोदी कंपनी के केंद्र का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान भारत बायोटेक के अधिकारी प्रधानमंत्री मोदी को वैक्सीन के विकास के विभिन्न पहलुओं और उनकी रोलआउट

योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। कंपनी वर्तमान में देश भर के विभिन्न केंद्रों में वैक्सीन के तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों (क्लीनिकल ट्रायल) का आयोजन कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मोदी के वैक्सीन बनाने वाले संयंत्र में एक घंटे बिताने की संभावना है और यह उम्मीद है कि वह शाम ५.१० बजे तक दिल्ली लौट जाएंगे। ऐसी अटकलें हैं कि मोदी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों में भाजपा के लिए प्रचार करेंगे, लेकिन सूत्रों ने कहा कि उनके कार्यक्रम में कोई राजनीतिक गतिविधि शामिल नहीं है। पार्टी के प्रमुख जे. पी. नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के कई राष्ट्रीय नेता अगले दो दिनों में भाजपा के लिए प्रचार करने वाले हैं। एक दिसंबर को होने वाले चुनाव के लिए रविवार को चुनावी अभियान समाप्त हो रहा है।

चिन्मयानंद पर लगाए आरापों से मुकरने वाली पीड़िता ने जवाबी हलफनामा दाखिल किया

लखनऊ। चिन्मयानंद उर्फ कृष्णपाल सिंह पर यौन संबध बनाने की खातिर अपनी कस्टडी में रखने का मुकदमा दर्ज कराकर अदालत में अपनी गवाही से मुकरने वाली पीड़िता ने शुक्रवार को एमपी–एमएलए की विशेष अदालत में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया। इस हलफनामे की एक प्रति अभियोजन को भी मुहैया कराई गई। अब अभियोजन की इस ओर से पीड़िता के हलफनामे पर ११ जनवरी को अपना जवाब दाखिल किया जाएगा। बीते १३ अक्टूबर को विशेष अदालत में अपनी गवाही के दौरान पीड़िता अपने आरोपों से मुकर गई थी। जिस पर अभियोजन ने उसे पक्षद्रोही घोषित करते हुए उसके खिलाफ सीआरपीसी की धारा ३४० के तहत मुकदमे की अर्जी दाखिल की थी। विशेष जज पवन कुमार राय ने अभियोजन की इस अर्जी को प्रकीर्ण वाद के रुप में दर्ज करने का आदेश देते हुए पीड़िता को इस संदर्भ में अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। शुक्रवार को पीड़िता अदालत में उपस्थित हुई और अपना जवाब जरिए हलफनामा दाखिल किया।

माहौल बिगाड़ने वालों को करेंगे बेनकाब – स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ। यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया है कि किसानों को सच्चाई न बताकर विपक्ष भड़काकर वातावरण खराब करने की साजिश में जुटा है। कोरोना संक्रमण काल में अस्थिरता फैलाने वालों के चेहरे उजागर किए जाएंगे। पंजाब और हरियाणा में किसानों के उग्र आंदोलन की उत्तर प्रदेश में संभावना को नकारते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस व कुछ विपक्षी पार्टी निहित स्वार्थों की पूर्ति और वोट की राजनीति के चलते किसानों को गुमराह करने में लगी हैं। जो कांग्रेस अपने शासनकाल में कभी किसानों को भला नहीं कर सकी वह किसानों को आत्मनिर्भर होते नहीं देखना चाहती।यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चौपालों के जरिये भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कृषि विधेयकों को लेकर फैलाई

भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। किसानों को भड़काने वालों को जनता पहचान रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों को वार्ता के लिए पहले ही कहा जा चुका था परंतु कांग्रेस नेताओं ने आंदोलन को हिंसक बनाने की कोशिश की। स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया कि जो कांग्रेस अपने शासनकाल में कभी किसानों को भला नहीं कर सकी वह किसानों को आत्मनिर्भर होते नहीं देखना चाहती।यूपी बीजेपी के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शुक्रवार को ट्वीट करके नए बने सह संगठन महामंत्रियों को बधाई दी है। उन्होंने कर्मवीर व भवानी सिंह को प्रदेश में सह संगठन महामंत्री बनाए जाने और रत्नाकर को बिहार में सह संगठन महामंत्री तथा पद्मुन को केंद्रीय कार्यालय में संगठक बनाए जाने पर शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई गति मिलने की उम्मीद जतायी है।

नेपाल, भारत सीमा विवाद सुलझाने पर हुए सहमत

काठमांडू। नेपाल और भारत सीमा मुद्दों को सुलझाने पर सहमत हो गए हैं, लेकिन दोनों देशों ने ये नहीं बताया कि सीमा का कौन सा हिस्सा। आज सुबह काठमांडू में भारतीय दूतावास में कहा गया है कि विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रंगला की काठमांडू यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों के उच्च अधिकारियों ने सीमा मुद्दों पर चर्चा की और विवाद सुलझाने के लिए विचारों का आदान–प्रदान किया। नेपाल और भारत के बीच सुस्ता और कालापानी में कुछ पुराने सीमा विवाद हैं और सीमा कार्यसमूह नामक एक तंत्र इसे २०१४ से सुलझाने की कोशिश कर रहा है। नई दिल्ली द्वारा नवंबर २०१६ में अपने क्षेत्र के तहत विवादित क्षेत्रों को शामिल करने के बाद एक नया नक्शा पब्लिश किया जिसके बाद दोनों पड़ोसियों के बीच एक ताजा सीमा विवाद सामने आया। भारतीय फैसले का विरोध करते हुए, नेपाल ने इस साल मई में अपने क्षेत्र के तहत उसी विवादित भूमि को शामिल करते हुए एक नया राजनीतिक मानचित्र पेश किया। इससे द्विपक्षीय संबंधों में

खटास आ गई। अपनी बैठक में दोनों विदेश सचिवों ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और समीक्षा की, भारतीय दूतावास के बयान में कहा गया है कि राजनयिकों ने चल रहे कोरोना महामारी के बावजूद सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। नेपाली पक्ष ने सीमा पार सुचारू रूप से व्यापार और वाणिज्य को सुनिश्चित करने और विकास परियोजनाओं के सक्रिय कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में भारत सरकार की सहायता की सराहना की। बयान में कहा गया है कि दोनों विदेश सचिव उच्च स्तरीय द्विपक्षीय सहयोग में नए सिरे से गति बनाए रखने और दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से करीबी, मैत्रीपूर्ण और बहुपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने के लिए सहमत हुए हैं। काठमांडू यात्रा केदौरान, श्रंगला ने राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से मुलाकात की और भारतीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों और इसे और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। नेपाल के प्रधान मंत्री केपी शर्मा ओली के साथ मुलाकात के दौरान, श्रंगला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उनका अभिवादन किया। उन्होंने ओली को विदेश मंत्री प्रदीप कुमार ग्यावली और विदेश सचिव भारत राज पौडयाल के साथ अपनी मुलाकातों से अवगत कराया। दूतावास की ओर से कहा गया, विदेश सचिव श्रंगला ने दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बनाए रखने के लिए आम सहमति को रेखांकित किया, लोगों से लोगों को जोड़ने, ठोस और रणनीतिक द्विपक्षीय पहल और पारस्परिक हित के मुद्दों पर ठोस प्रगति पर जोर दिया। विदेश सचिव ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से ग्यावली को अगले संयुक्त आयोग की बैठक के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। बैठक के बाद एक अलग समारोह में, श्रंगला ने कोविड–१६ रोगियों के उपचार के लिए ग्यावाली को रेमेडिसविर इंजेक्शन की २,००० शीशी सौंपी। उन्होंने कोविड से संबंधित सहायता प्रदान करने में नेपाल को भारत के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। भारतीय विदेश सचिव ने विपक्षी दल के नेता और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा से भी मुलाकात की और नेपाल–भारत संबंधों को मजबूत करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

आस्ट्रेलिया ने भारत को ६६ रनों से हराया

सिडनी। आस्ट्रेलिया ने आज सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले गए पहले वनडे मैच में भारत को ६६ रनों से हरा दिया। ३०८ रन ही बना सकी। इस जीत के बाद आस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में १–० की बढ़त ले ली है। भारत के लिए हार्दिक

आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ५० ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर ३७४ रनों का विशाल स्कोर बनाया था। भारतीय टीम ५० ओवरों में आठ विकेट खोकर पांड्या ने सबसे ज्यादा ६० रन बनाए। इस पारी में पांड्या ने ७६ गेंदों का सामना किया और सात चौकों के अलावा चार छक्के मारे। शिखर धवन ने ८६ गेंदों पर ७४ रन बनाए। धवन की पारी में १० चौके शामिल रहे। इससे पहले, आस्ट्रेलिया ने कप्तान एरन फिंच और स्टीव स्मिथ की शतकीय पारियों के दम पर भारत के खिलाफ वनडे में अपना सर्वोच्च स्कोर खड़ा किया। फिंच और स्मिथ के अलावा डेविड वार्नर ने भी शानदार पारी खेलते हुए अर्धशतक जमाया। वार्नर ने ७६ गेंदों पर ६ चौकों की मदद से ६६ रन बनाए। फिंच ने १२४ गेंदों पर ११४ रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के मारे। स्मिथ ने ६६ गेंदों पर तेज तर्रार १०५ रनों की पारी खेली। अपनी पारी में स्मिथ ने ११ चौके और छह चौके मारे। इन सभी के अलावा ग्लैन मैक्सवेल ने १६ गेंदों पर ४५ रन बनाए। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने तीन विकेट लिए।

वनडे में सबसे महंगे भारतीय स्पिनर बने युजवेंद्र चहल

सिडनी। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एक वनडे मैच में सबसे ज्यादा रन

लुटाने वाले भारतीय स्पिन गेंदबाज बन गए हैं। चहल ने आज अस्ट्रेलिया के साथ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसीजी) पर खेले जा रहे पहले वनडे मैच में १० ओवरों में ८६ रन देकर सिर्फ एक विकेट लिया। चहल ने मार्कस स्टोइनिस का विकेट लिया जो खाता तक नहीं खोल पाए। चहल से पहले यह अनचाहा रिकार्ड लेग स्पिनर पीयूष चावला के नाम था जो उन्होंने २००८ में पाकिस्तान के खिलाफ १० ओवरों में ८५ रन खर्च कर बनाया था। भारत के लिए एक मैच में सबसे ज्यादा रन खर्च करने का रिकार्ड तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के नाम है जिन्होंने २०१५ में मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ १०५ रन लुटाए थे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी टीमों को मिलाकर देखा जाए तो एक वनडे में सबसे महंगे गेंदबाज का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के मिक लुइस के नाम है। लुइस ने जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ १० ओवरों में ११३ रन दिए थे और एक भी विकेट हासिल नहीं किया था।

आस्ट्रेलिया के लिए वनडे में सबसे तेज ५,००० रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने फिंच

सिडनी। एरॉन फिंच आज अपने देश ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में सबसे तेजी से ५,००० रन बनाने

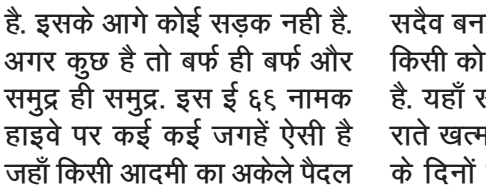

वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसीसीजी) में भारत के खिलाफ खेले जा रहे पहले वनडे मैच में यह मुकाम हासिल किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह मुकाम हासिल करने के लिए १२६ पारियां लीं। उनसे पहले डेविड वार्नर का नाम है जिन्होंने आस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेजी से ५,००० रन बनाए। वार्नर ने इतने रन बनाने के लिए ११५ पारियां लीं थी। वैसे वनडे में सबसे तेजी से पांच हजार रन बनाने का रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला के नाम है जिन्होंने १०१ पारियों में इतने रन बनाए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया इस समय तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में हिस्सा ले रही हैं।

रोहित पर फैसला ११ दिसंबर को, इशांत टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फिटनेस पर फैसला ११ दिसम्बर को उनके अगले फिटनेस टेस्ट के बाद लिया जाएगा जबकि तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्टों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने गुरूवार रात को जारी एक बयान में रोहित और इशांत की फिटनेस पर ताजा जानकारी देते हुए बताया कि रोहित बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उनका अगला आकलन ११ दिसम्बर को किया जाएगा जिसके बाद ही बीसीसीआई रोहित की १७ दिसम्बर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में भागीदारी पर कोई फैसला लेगा। जय शाह ने बताया कि रोहित आईपीएल में अपनी टीम मुंबई इंडियंस को पांचवीं बार चौंपियन बनाने के बाद अपने बीमार पिता को देखने के लिए मुंबई आ गए थे। उनके पिता की हालत में अच्छा सुधार हो रहा है जिससे उन्हें एनसीए की यात्रा करने और अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करने की अनुमति मिल गयी। बीसीसीआई ने बताया कि जहां तक इशांत की बात है तो वह अपनी पसलियों के खिंचाव से पूरी तरह उबर चुके हैं लेकिन टेस्ट मैच फिटनेस हासिल करने तक इशांत बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। इससे पहले तक खबर आ रही थी कि रोहित और इशांत अस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं। रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से और इशांत पसलियों में खिंचाव की परेशानी से उबर रहे हैं। दोनों को यह चोट यूएई में आईपीएल के दौरान लगी थी। इशांत तो आईपीएल बीच में छोड़कर स्वदेश लौट आये थे जबकि रोहित अपनी टीम मुंबई इंडियंस को पांचवीं बार आईपीएल चौंपियन बनाकर स्वदेश लौटे थे। दोनों बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे। बीसीसीआई के ताजा बयान के आधार पर यह माना जा सकता है कि रोहित का भी टेस्ट सीरीज में खेलना संदेहास्पद हो गया है।

अद्भुत सड़क: दुनिया की आखिरी सड़क

अमरेन्द्र सहाय अमर

क्या आपने दुनिया की आखिरी सड़क यानि द लास्ट रोड आफ द अर्थ देखी है. उत्तर होगा नहीं. लेकिन आज हम आपको दुनिया के अंतिम सड़क के बारे में कुछ बताने जा रहे है. यह वही दुनिया की आखिरी सड़क है, जिसके बाद दुनिया समाप्त हो जाती है. है न आश्चर्यजनक बात। दरअसल उत्तरी ध्रुव यानि नार्थ पोल पृथ्वी का सबसे सुदूर विन्दु है. इस स्थान पर पृथ्वी की धुरी घूमती है. यह आखिरी छोर है नार्वे का. इसके आगे जाने वाले रास्ते को दुनिया की आखिरी सड़क कहा जाता है. इस सडक का नाम है ई ६६. यह एक हाइवे है. इसकी लम्बाई है १४ किलो मीटर. यह सड़क पृथ्वी के छोर और नार्वे को आपस में जोडती है. इसके आगे कोई सड़क नही है. अगर कुछ है तो बर्फ ही बर्फ और समुद्र ही समुद्र. इस ई ६६ नामक हाइवे पर कई कई जगहें ऐसी है जहाँ किसी आदमी का अकेले पैदल जा पाना या गाड़ी चलाना बिलकुल मना है. अगर कुछ लोग समूह में जाय तो अनुमति मिल जाती है. इसका कारण यह है यहाँ हर तरफ बर्फ की मोटी मोटी परतें जमा हैं.

बर्फ की मोटी चादर बिछी होने के कारण लोगों के खो जाने का खतरा सदैव बना रहता है. इस सड़क पर किसी को भी जाने नहीं दिया जाता है. यहाँ सर्दियों के मौसम में न तो राते खत्म होती हैं और न ही गर्मी के दिनों में कभी सूरज डूबता है. उत्तरी ध्रुव का इलाका होने के कारण कभी कभी तो छ महीने तक सूरज दिखाई नही देता.. जाड़े के दिनों में यहाँ का तापमान माइनस ४३ डिग्री से लेकर माइनस २६ डिग्री सेल्सियस के आस पास हो जाता है. आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इतनी भयंकर ठण्ड पड़ने और विकट विषम परिस्थिति होने के बावजूद लोग यहाँ रहते है. यहाँ मछली का कारोबार होता है. वर्ष १६३० में इस स्थान का विकास होना शुरू हुआ था. करीब चार साल बाद यानि वर्ष १६३४ में यहाँ के मूल निवासी लोगों ने मिल जुल कर यह तय किया कि यहाँ सैलानियों को भी आने दिया जाय. इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी. दुनिया भर के लोग उत्तरी ध्रुव पर घूमने के लिए आते हैं. यहाँ आकर उन्हें एक नयी दुनियां का अहसास होता है. उत्तरी ध्रुव का डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स यानि आरोरा देखना अपने आप में आश्चर्य से भरा होता है क्योंकि ऐसे नजारे दुनिया में कहीं भी देखने को नही मिलते हैं. गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलती है, इन्हें देख कर मन आह्लादित हो जाता है. यह दृश्य रात को दिखते हैं, जब आसमान में घुप्प अँधेरा होता है. यहाँ के मूल निवासी शेष दुनिया से अलग थलग रहना पसंद करते है। इन लोगों को बड़े शहरों में रहना पसंद नहीं. अब यहाँ मछुवारों की वजह से सब कुछ बदल गया है. यहाँ का मुख्य व्यापार मछलियों का व्यापार है. यहाँ किंग केकड़े भी पकड़े जाते हैं. साल के अंत में दुनिया भर से लोग उत्तरी ध्रुव को देखने आते हैं. यहाँ की प्राकृतिक छटा को देख कर लगता है अगर कहीं जन्नत है तो यंही है. यहाँ कुछ भी किसी की इजाजत से नहीं हो सकता. यहाँ सिर्फ प्रकृति ही महान है।

रेलवे में चतुर्थश्रेणी पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर जालसाजों ने २० लाख ऐंठे

लखनऊ। मंत्री कोटे से रेलवे में चतुर्थश्रेणी पद पर नौकरी लगवाने के नाम पर जालसाजों ने चार बेरोजगार युवकों से २० लाख रुपये ऐंठ लिए। शातिर जालसाजों ने बेरोजगारों को छह माह की आसनसोल में ट्रेनिंग कराई और फिर फर्जी नियुक्तिपत्र थमा दिया। जानकारी होने पर पीड़ितों ने सम्मिलित तहरीर देकर अलीगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।इंस्पेक्टर अलीगंज फरीद अहमद के मुताबिक सीतापुर निवासी मनोज कुमार ने बताया कि डेढ़ साल पहले उनकी मुलाकात गाजीपुर निवासी नित्यानंद से हुई थी। दोनों में अच्छी बातचीत होने लगी। एक दिन नित्यानंद ने अपनी ऊंची पहुंच का हवाला देते हुए रेलवे में नौकरी लगवाने के लिए कहा। मनोज इसके लिए राजी हो गया। मनोज ने अनपे रिश्तेदार चंद्रमणि, प्रवेश कुमार और अमित से भी यह बात बताई तो वह भी राजी हो गए। प्रति व्यक्ति पांच लाख रुपये घूस का सौदा तय हुआ। मनोज के मुताबिक इस पर उन्होंने १५ लाख रुपये नित्यानंद के खाते में ट्रांसफर किए। उसके बाद पांच लाख रुपये नकद दिए।नित्यानंद उन्हें लेकर आसनसोल पहुंचा। वहां, उनकी मुलाकात डीआरएफ अफिस के स्टेनो से कराई। स्टेनो ने मंत्री कोटे से नौकरी लगवाने की बात कही। इसके बाद उन सबको एक हफ्ते बार ट्रेनिंग के लिए बुलाया। छह माह तक पश्चिम बंगाल में ट्रेनिंग कराई। इसके बाद नियुक्तिपत्र देकर भेज दिया और एक माह बात ज्वाइनिंग करने के लिए कहा। ज्वानिंग के पहले स्टेनो ने बात करने के लिए कहा था। स्टेनो से जब बात करने की तो वह टाल मटोल करने लगा। इस तरह छह माह तक चलता रहा पर ज्वानिंग के लिए नहीं बुलाया। ज्वाइनिंग पत्र की पड़ताल कराई तो पता चला कि वह फर्जी है। इसके बाद तहरीर देकर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इंस्पेक्टर ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेसियों ने थामा आम आदमी पार्टी का दामन

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस छोड़कर आए कई नेताओं व कार्यकर्ताओं को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। संजय सिंह ने कहा कि लखनऊ में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह ध्वस्त हो गई है।आम आदमी पार्टी में शामिल होने वालों में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआइसीसी) के सदस्य रहे अमित श्रीवास्तव त्यागी सहित कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता थे। अमित श्रीवास्तव यूथ कांग्रेस और एनएसयूआइ के लखनऊ महानगर अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी नीतियों व विचारधारा को निरंतर खोती जा रही है, इसलिए २२ साल बाद पार्टी छोड़ने का फैसला किया। शुक्रवार को गोमतीनगर में स्थित आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इनके अलावा कांग्रेस पार्टी के लखनऊ महानगर के कई पदाधिकारियों ने भी आप की सदस्यता ग्रहण की। इसमें कांग्रेस कमेटी लखनऊ के उपाध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, कांग्रेस कमेटी लखनऊ के महासचिव नकी रजा, अभय सिंह, सचिव कांग्रेस कमेटी

लखनऊ शील कुमार जायसवाल और पूर्व महासचिव देवेंद्र सिंह भुल्लर सहित कई नेताओं ने आप का दामन थामा।इस मौके पर आप के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि लखनऊ में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। उन्होंने इस मौके पर किसान बिल को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार किसानों को कमजोर समझने की भूल न करे।

1.83 लाख लोगों की कोरोना जांच में 2,366 मिले संक्रमित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को रिकॉर्ड १.८३ लाख लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की गई तो उसमें से २,३६६ लोग संक्रमित पाए गए। इससे पहले सबसे ज्यादा १.७८ लाख लोगों की जांच बुधवार को हुई थी। फिलहाल अब स्वास्थ्य विभाग धीरे–धीरे दो लाख टेस्ट प्रतिदिन करने के लिए कदम बढ़ा रहा है। वहीं बीते २४ घंटे में २,०५८ रोगी स्वस्थ हुए। प्रदेश में अब तक ५.३७ लाख लोग कोरोना संक्रमित पाए जा चुके हैं और इसमें से ५.०४ लाख लोग स्वस्थ हो चुके हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि अब उत्तर प्रदेश में २५,६३६ एक्टिव केस हैं। शुक्रवार को २३ और लोगों की मौत के साथ अब तक ७,६६७ मरीजों की जान यह खतरनाक वायरस ले चुका है। उन्होंने बताया कि यूपी में इस समय फोकस टेस्टिंग के तहत झुग्गी–झोपड़ी, अस्पताल, स्कूल और सरकारी व निजी कार्यालयों के कर्मियों की जांच की जा रही है। अभी तक संक्रमण ज्यादा नहीं मिला है। फिर भी बढ़ रही ठंड और दूसरे राज्यों में चल रही कोरोना की दूसरी वेब को देखते हुए सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रदेश में अब तक १४.४१ करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश में कोरोना की आरटीपीसीआर जांच अभी १६०० रुपये में की जा रही है। अब आरटीपीसीआर जांच और

सस्ती की जाएगी। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि जांच और सस्ती करने के लिए मंथन किया जा रहा है। जल्द कीमत तय की जाएगी। कोरोना का घर पर इलाज कराने वाले ६६ फीसद रोगी अभी तक स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में अब तक ३.०७ लाख मरीजों ने होम आइसोलेशन का विकल्प चुना था और इसमें से २.६५ लाख रोगी अब तक ठीक हो चुके हैं। बिना लक्षण वाले कोरोना के वह रोगी जिनके घर में अलग कमरा और शौचालय की सुविधा है, उन्हें घर पर इलाज कराने की छूट दी जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के जो २५,६३६ मरीज हैं उनमें से १२,४५५ रोगी घर पर ही अपना इलाज करा रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग होम आइसोलेशन के मरीजों पर इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर की मदद से उनकी निगरानी करता है। रैपिड रिस्पांस टीम ऐसे रोगियों के घर जाकर उन्हें जरूरी दवाएं देती हैं और लगातार उनकी स्थिति के बारे में डॉक्टरों को रिपोर्ट देती हैं। फिलहाल कोरोना का घर पर इलाज कराने वाले रोगियों का रिकवरी रेट काफी अच्छा है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बुजुर्गों और दूसरी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को अस्पताल में भर्ती होकर ही इलाज कराने की नसीहत दी है। क्योंकि ऐसे रोगियों में संक्रमण के कारण जान जाने का ज्यादा खतरा रहता है। अब तक प्रदेश में कुल ५.३७ लाख कोरोना रोगी मिले हैं और इसमें से ३.०७ लाख यानी ५७ फीसद ने होम आइसोलेशन की सुविधा का लाभ उठाया है।

आशियाना थाने से भागे गांजा तस्कर राहुल का पुलिस को नहीं लगा सुराग

लखनऊ। आशियाना थाने से गुरुवार को भागे अपराधी राहुल का अबतक पुलिस सुराग नहीं लगा सकी है। आलाधिकारियों के निर्देश पर घटना के समय थाने में मौजूद दारोगा मनजीत सिंह पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है। उधर, पुलिस भागे हुए गांजा तस्कर का झोपड़पट्टी समेत पूर्व में जेल गए तस्करों से सुराग लगा रही है।दरअसल, आशियाना थाने के दारोगा मनजीत सिंह ने गुरुवार को गांजा तस्करी के मामले में पकड़े गए राहुल पुत्र महाराज को लकअप से निकाल कर उससे पूछताछ कर रिपोर्ट लिख रहे थे। इस बीच शातिर राहुल ने दारोगा को बातों में उलझाया और लघुशंका के बहाने भाग निकला था। घटना की जानकारी पर थाने परिसर में तैनात सभी पुलिस कर्मियों के हाथ पांव फूल गए थे। पुलिस ने बदमाश की तलाश में पूरे इलाके में ताबड़तोड़ दबिश देनी शुरू की। सघन चेकिंग अभियान चलाया, पर उसका कुछ पता न चल सका। देर शाम तक मामला दबाए रखा और अपराधी के पकड़े जाने का इंस्पेक्टर केके तिवारी से लेकर सभी पुलिस कर्मी इंतजार करते रहें। रात जब सोशल मीडिया पर इसकी खबर चली तो इंस्पेक्टर ने आलाधिकारियों को घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने जमकर इंस्पेक्टर और दारोगा को फटकार लगाई। इसके बाद आरोपित की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गईं। जानकारी के अनुसार पुलिस राहुल तड़के स्मैक की पुड़िया बेच रहा था। तभी दारोगा मनजीत सिंह ने उसे पकड़ा था। पकड़ने के बाद उसे लकअप में डाल दिया था। राहुल मूल रूप से रामनगर अलीगंज एटा का रहने वाला है। आशियाना पुलिस ने वहां की पुलिस से भी संपर्क किया पर, अबतक कुछ पता न चल सका। देर रात अधिकारियों के निर्देश पर दारोगा मनजीत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

पारा क्षेत्र जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, किसान और प्रापर्टी डीलर के बीच फायरिंग में दो घायल

लखनऊ। राजधानी में पारा क्षेत्र के रामपुर इलाके में जमीनी विवाद को लेकर किसान और प्रापर्टी डीलर के बीच विवाद के बाद खूनी संघर्ष हो गया। संघर्ष के दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और फायरिंग हुई। फायरिंग के दौरान प्रापर्टी डीलर और किसान दोनों क गोली लगी। दोनों को गंभीर हालात में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इस दौरान कई अन्य लोग मारपीट में घायल हुए। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।मामला पारा थानाक्षेत्र के रामपुर इलाके का है। यहां के निवासी किसान उमेश रावत की गांव में ही जमीन है। इंस्पेक्टर पारा त्रिलोकी सिंह ने बताया कि बीते साल उमेश की एक जमीन का प्रापर्टी डीलर सुनील ने एग्रीमेंट कराया था। सुनील ने आधे रुपये ही दिए थे। वहीं, उमेश रुपयों की मांग कर रहे थे और सुनील जमीन वापस भी नहीं दे रहा था। शुक्रवार को सुनील जमीन पर बनी नाली और रास्ते पर खुदाई करा रहा था। जानकारी पर उमेश पहुंचे और उन्होंने विरोध किया। विरोध के दौरान दोनों पक्षों में गाली–गलौज हुई। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट के बीच फायरिंग हुई। इस दौरान उमेश के पेट और सुशील के पैर में गोली लगी। दोनों को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। वहीं, क्षेत्र में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इंस्पेक्टर त्रिलोकी सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट और फायरिंग हुई है। घायलों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कार्यवाही की जाएगी।स्थानीय लोगों ने और पीड़ित पक्ष ने पारा पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। आरोप है कि पहले भी दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। मामले की शिकायत थाने में भी हुई थी पर पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। पुलिस अगर उस समय कार्यवाही करती तो आज इतनी बड़ी घटना न होती। पुलिस की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना हुई है।

उत्तर प्रदेश में भी किसानों का प्रदर्शन, किसानों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाकियू का धरना

लखनऊ। कृषि कानून वापस लेने की मांग के साथ शुरू हुए किसान आंदोलन में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन ने अहिमामऊ–सुल्तानपुर रोड पर चक्ध्का जाम की तैयारी की थी लेकिन प्रशासनिक मुस्तैदी से यह संभव नहीं हो सका। लखनऊ में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष हरनाम सिंह वर्मा के नेतृत्व में किसानों ने चिनहट थाना क्षेत्र के नौबस्ता कला में प्रदर्शन किया। हरनाम सिंह वर्मा ने बताया कि कृषि कानूनों को वापस लेने और किसानों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में उनके नेतृत्व्व में किसानों का दल सदर तहसील में प्रदर्शन करने जा रहा है। वर्मा ने कहा, "हम आर–पार की लड़ाई लड़ेंगे और अगर पुलिस हमें गिरफ्तार करेगी तो गिरफ्तारी देंगे।" अपर पुलिस महानिदेशक कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार ने लखनऊ में प्रदर्शन को बेअसर बताया है। उन्होंने कहा कि किसानों की चेतावनी को देखते हुए पूरे प्रदेश में कानून–व्यवस्था के दृष्टिगत व्यापक तैयारी की गई है। उधर बागपत से मिली खबर के मुताबिक भारतीय किसान यूनियन ने कृषि कानूनों को वापस लेने और किसानों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में

शुक्रवार को बागपत जिले में निवाड़ा पुल पर शुक्रवार को सोनीपत हाइवे को जाम किया। पंजाब और हरियाणा के किसानों पर किये गये लाठी चार्ज पर आक्रोश जताते हुए भाकियू ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाम का एलान किया था। वहीं भाकियू के जाम को देखते हुए पुलिस ने मार्ग बदले हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि बागपत जिले में निवाड़ा पुल हरियाणा और उत्तर प्रदेश का बार्डर है। यहां किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मजिस्ट्रेट मौजूद हैं व भारी संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। इसके साथ ही स्थानीय किसान नेताओं से पुलिस सम्पर्क बनाए हुए है। मेरठ। कृषि कानूनों के विरोध में और आंदोलनरत पंजाब व हरियाणा के किसानों के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह ११ बजे मेरठ में दिल्ली दून बाइपास पर जटौली कट के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। ट्रैक्टर ट्रालियां सड़क पर खड़ी करके धरने पर बैठे भाकियू कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिल्ली और हरिद्वार, देहरादून से आवाजाही को बंद कर दिया गया जिससे राजमार्ग पर वाहनों की कतार लग गई है। भाकियू जिलाध्यक्ष मनोज त्यागी ईकडी ने कहा, "सरकार के तानाशाही वाले रवैये से किसान डरने वाले नहीं है। कृषि कानून बनाकर किसानों के साथ धोखा हुआ है। विरोध करने पर सरकार ने किसानों की आवाज को कुचलने की कोशिश की जिसका जवाब आंदोलन से दिया जाएगा।" गजरौला। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर गजरौला के भानपुर रेलवे फाटक पर जाम लगा दिया। जिससे हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इससे राहगीरों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार की सुबह किसान हाईवे पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया। किसानों का कहना है कि कृषि संबंधित तीनों कानूनों को वापस लिया जाए। हापुड़। जनपद हापुड़ में शुक्रवार सुबह किसानों ने कृषि संबंधी केंद्रीय कानूनों के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग–९ पर नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया, जिससे वाहनों की लम्बी–लम्बी कतारें लग गईं। जाम में फंसे गये लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार हापुड़ के राष्ट्रीय राजमार्ग–९ पर ततारपुर मोड़ पर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं व किसानों ने कृषि कानूनों को लेकर जाम लगाया। इससे सड़क पर भीषण जाम लग गया और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

दिलीप कुमार ने सायरा बानो के साथ शेयर की फोटो

मुंबई। बॉलीवुड के अभिनय सम्राट दिलीप कुमार ने अपनी पत्नी सायरा बानो के साथ फोटो शेयर की है जो लोगों को बेहद पसंद आ रही है। दिलीप कुमार काफी

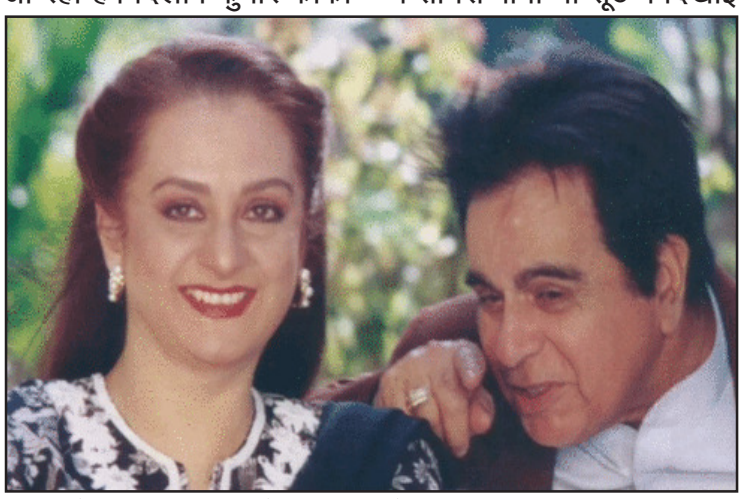

समय से फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन उन्होंने अपने काम और अपने फिल्मों से लोगों के दिलों में जगह बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। दिलीप कुमार अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव नजर आते हैं और अपनी तस्वीरें साझा करते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी सायरा बानो के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह व्हाइट कुर्ता पजामा पहने और रंगीन शॉल ओढ़े सायरा बानो के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। फोटो में सायरा बानो भी सूट में दिखाई दे रही हैं। गौरतलब है कि ११ अक्टूबर को सायरा बानो ने दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि यह दिन उनकी जिंदगी का सबसे खास दिन है, क्योंकि इस दिन दिलीप कुमार ने सायरा बानो से शादी की थी और उनके सपने को सच किया था।

अरबाज खान के साथ काम करेंगे विवेक ओबेराय

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेराय , अरबाज खान के साथ हरर फिल्म में साथ काम करते नजर आयेंगे। सलमान खान और विवेक ओबरय के बीच गहरा विवाद रहा है। दोनों कई सालों से एक–दूसरे से बात नहीं करते हैं। बताया जा रहा है कि विवेक और अरबाज साथ काम करने जा रहे हैं। विवेक ओबेराय और अरबाज खान हॉरर फिल्म 'रोजी– द सैफरन चौप्टर' में एक साथ काम करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण विवेक ओबरय ही कर रहे हैं और इसमें वो लीड किरदार भी अदा करेंगे। यह एक रियल लाइफ कहानी पर आधारित फिल्म होगी, जिसमें श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी मुख्य किरदार निभाती दिखेंगी। फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोरा ने बताया है, 'मुझे खुशी है कि हमारी फिल्म में अरबाज खान की एंट्री हुई है, वो कमाल के निर्माता

और निर्देशक हैं। हम इस फिल्म को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हैं और अरबाज खान के आने के बाद यह उत्साह काफी बढ़ गया है। फिल्म की कहानी १८ साल की लड़की रोजी की है, जो अचानक से गायब हो जाती है।

करण देओल और बॉबी देओल को लेकर फिल्म बनायेंगे सनी देओल!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता–फिल्मकार सनी देओल अपने बेटे करण देओल और भाई बबी देओल को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। सनी देओल ने अपने बेटे करण

देओल को लेकर 'पल पल दिल के पास' बनायी थी जो असफल रही थी। सनी अपने बेटे करण को एक मौका और देना चाहते हैं। सनी स्क्रिप्ट की तलाश में थे और अब कहा जा रहा है कि उनकी यह तलाश खत्म हो गई है। जल्दी ही वे फिल्म अनाउंस करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में सनी देओल के भाई बॉबी देओल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि 'सनी ऐसी स्क्रिप्ट ढूंढ रहे थे जिसमें बॉबी और करण दोनों के लिए स्कोप हो और उन्हें यह मिल गई है।'करण और बॉबी की फिल्म का निर्देशन सनी देओल करेंगे।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक